बढ़ रही मौतों और सिस्टम की ढिलाई पर हाई कोर्ट सख्त, पूछा-

डेंगू रोकने के लिए क्या किया?

■ **विधि संवाददाता, लखनऊ :** इलाहाबाद हाई कोर्ट ने शहर में डेंगू के बढ़ते प्रकोप और इसे रोकने में सरकारी मशीनरी की लापरवाही पर सोमवार को सख्त रुख अपनाया। कोर्ट ने नगर विकास सचिव, नगर आयुक्त और नगर स्वास्थ्य अधिकारी से फौरन प्रभावी कार्रवाई करने को कहा है। डेंगू से निपटने, मरीजों के इलाज के लिए किए गए इंतजामों की जानकारी पर कोर्ट ने इन अधिकारियों से 28 सितंबर को व्यक्तिगत हलफनामा तलब किया है। साथ ही तब तक की गई कार्रवाई की रिपोर्ट भी तलब की है। कोर्ट ने शहर में सफाई का ठेका पाने वाली कंपनी ज्योति एनवायरोटेक को पर्याप्त सफाई न करने के आरोपों पर नोटिस जारी किया है।

जस्टिस ए.पी. साही और जस्टिस विजयलक्ष्मी की बेंच ने यह आदेश वकील एम.पी. सिंह की पीआईएल पर दिया। याचिका में अखबारों में छपी खबरों का हवाला देकर कहा गया था कि पूरे शहर में गंदगी का अंबार है। जगह-जगह जलभराव है, जिनमें मच्छर पनप रहे हैं। पूरा शहर मच्छरों से परेशान है। डेंगू से कई जानें जा चुकी हैं लेकिन मशीनरी सुस्त है। सरकारी अस्पतालों में डेंगू के इलाज के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं है।

कोर्ट को दिखाए पुराने निर्देश

डेंगू की रोकथाम के लिए पहले से दायर कई अन्य याचिकाएं भी कोर्ट के सामने सोमवार को पेश की गईं। यह भी बताया गया कि कोर्ट ने डेंगू जैसी महामारियों से निपटने के लिए मौसम बदलने के साथ ही तैयारी करने के निर्देश दिए थे, लेकिन अधिकारियों के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। कोर्ट ने इसे गंभीरता से लिया है। कहा है कि वह इस मामले में विस्तृत आदेश पारित करेगी।

डांट पड़ी तो जागी मशीनरी

डेंगू पर हाई कोर्ट का रुख देखते ही सरकारी मशीनरी एकाएक हरकत में आ गई। मुख्य सचिव राहुल भटनागर ने निर्देश दिए कि डेंगू के खिलाफ सभी जिलों में एक हफ्ते का सफाई अभियान चले। सभी जिलों के नगर स्वास्थ्य अधिकारियों को सीएमओ से सामंजस्य कर एंटीलार्वा का छिड़काव करवाने को कह दिया गया। अस्पतालों में इमरजेंसी ड्यूटी पर डॉक्टर और स्टाफ मौजूद रहें, यह डीएम सुनिश्चित करेंगे। सभी डीएम को अस्पतालों में निरीक्षण के निर्देश दिए गए हैं। डेंगू की जांच के लिए दवाएं और टेस्ट किट मुहैया करवाने के निर्देश भी दिए गए।

शहर इतना गंदा तो कैसे थमें डेंगू और दूसरी बीमारियां!

Sandeep Rastogi

अलीगंज की यह तस्वीर शहर में सफाई के दावों की पोल खोल रही है। इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे पर सचिवालय कॉलोनी के पास इस कूड़े में मच्छर और बीमारियां पनप रही हैं (इनसेट)। दिन भर यहां आवारा जानवर घूमते हैं और यह गंदगी रिहायशी इलाकों में ले जाते हैं। इस गंदगी से सचिवालय कॉलोनी, रिंग रोड पर बसे लोगों के अलावा जानकीपुरम और अलीगंज के हजारों लोग भी खतरे में हैं। ▸▸ पेज 4

06 और सोमवार को डेंगू से मरे, इनमें एक प्राइमरी टीचर भी शामिल

73 नए मरीजों में डेंगू की पुष्टि, सारे अस्पताल फुल

94 मौतों की केवल लखनऊ में पुष्टि ▸▸ पेज 3

...और मंत्री कह रहे, 'डेंगू से मौतें बस अफवाहें हैं'

■ **एनबीटी, अम्बेडकरनगर :** स्वास्थ्य राज्य मंत्री शंखलाल मांझी ने सोमवार को अंबेडकरनगर में कहा है कि पूरे यूपी में 18 सितम्बर तक डेंगू से केवल तीन लोग मरे हैं। इस दौरान केवल 733 मरीजों में ही डेंगू की पुष्टि हुई है। बाकी आंकड़े अफवाहें हैं। कुछ कम्पनियां अपने उत्पाद बेचने के लिए डेंगू को लेकर अफवाहें फैला रही हैं। इस काम में निजी नर्सिंग होम भी उनकी मदद कर रहे हैं।